CHETANA
International Journal of Education (CIJE)

Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)

Impact Factor
SJIF 2025-8.445

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत शिक्षार्थियों की प्रसन्नता का उनके शैक्षिक समुत्थानशक्ति के संदर्भ में अध्ययन करना

डॉ नीलम यादव
असिस्टेंट प्रोफेसर
एसएस जैन सुबोध महिला टीटी कॉलेज सांगानेर जयपुर
Email- partsjaipur@roshanlaljain.com Mobile- 9929532995

First draft received: 05.11.2025, Reviewed: 88.11.2025
Final proof received: 09.11.2025, Accepted: 10.11.2025

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र में उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की प्रसन्नता एवं शैक्षिक समुत्थानशक्ति का अध्ययन किया गया है। यह देखा गया है कि शिक्षार्थियों की प्रसन्नता का उनके शैक्षिक समुत्थानशक्ति के संदर्भ में विभिन्न कारकों का प्रभाव पड़ता है। परिणाम यह दर्शाते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की प्रसन्नता का उनके शैक्षिक समुत्थानशक्ति के स्तर में विभिन्न कारकों के संदर्भ में अंतर पाया जाता है।

मुख्य शब्द: *उच्च माध्यमिक स्तर, शिक्षार्थी, प्रसन्नता,शैक्षिक समुत्थानशक्ति आदि.*

प्रस्तावना

ईश्वर द्वारा निर्मित सभी जीवों में "मानव' श्रेष्ठ कृति है क्योंकि उसे ईश्वर प्रदत्त "अद्भुत मस्तिष्क" प्राप्त हुआ है जिसके द्वारा वह सोचने, समझने, मनन करने, तर्क करने, समस्या समाधान तथा सृजनात्मकता की पूर्ति आदि कार्यों को कर सकता है। उसे "भाषा" रूपी एक उपहार ईश्वर से प्राप्त हुआ जो निश्चित ही उसे सभी जीव-जन्तुओं में श्रेष्ठता प्रदान करता है। लेकिन मनुष्य को श्रेष्ठ मानव बनाने में उसे आदिमानव से मानव बनाने में अगर किसी की श्रेष्ठ भूमिका निसंदेह है तो वह उसे माँ सरस्वती द्वारा प्रदत्त 'शिक्षा का वरदान।"शिक्षा मानव जीवन की आधारशिला है। शिक्षा के पथ पर चलकर ही व्यक्ति सत्य की मंजिल पर पहुँचता है। अर्थात् शिक्षा वह माध्यम है, जो व्यक्ति का सर्वांगीण विकास कर उसे एक योग्य एवं संस्कारित नागरिक बनाती है। ज्ञान का उजाला ही मनुष्य के जीवन में फैले अज्ञान के अंधकार को मिटाता है। शिक्षा का अमृत ही मानव को इस नश्वर संसार में अमरत्व प्रदान करता है। इसलिए संसार का प्रत्येक विवेकशील प्राणी ईश्वर से यही प्रार्थना करता है-

असतो मा सद्गमय
तमसो मा ज्योतिर्गमय
मृत्योर्मा अमृतंगमय

यदि व्यक्ति के अंदर किसी क्षेत्र विशेष में अभिरुचि, योग्यता, अभिव्यक्ति क्षमता, कार्य क्षमता, सामाजिक कुशलता आदि गुणों की अधिकता है तो उसका संबंधित क्षेत्र में सकारात्मक दृष्टिकोण परिलक्षित होता है तथा उस क्षेत्र में शैक्षिक समुत्थानशक्ति भी अधिक होती हैं। शैक्षिक समुत्थानशक्ति के अधिक होने पर प्रसन्नता भी बढ़ती है जबकि अन्यत्र क्षेत्र में उसमें इन सब गुणों की कमी होती है तथा वहां उसकी शैक्षिक समुत्थानशक्ति भी कम होती है। जिससे प्रसन्नता पर भी प्रभाव पड़ता है।

समुत्थानशक्ति में सकारात्मकता, आत्मसम्मान, कठोरता, आत्मप्रभावकारिता आशावाद, जोखिम लेना, दृढ़ संकल्प, दृढ़ता और निश्चितता का एक उच्च सहिष्णुता शामिल हैं। शैक्षिक समुत्थानशक्ति लोग चुनौतियों से पार पाने और समस्याओं के माध्यम से काम करने के लिए अपनी ताकत और सहायता करने को मजबूत बनाते हैं। समुत्थानशक्ति शिक्षार्थी को परिस्थितियों को स्वीकार करने और उनके अनुकूल होने और आगे बढ़ने का अधिकार देता है।

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसारः- "समुत्थानशक्ति कठिन या चुनौतीपूर्ण जीवन के अनुभवों को सफलतापूर्वक अपनाने की प्रक्रिया और परिणाम दोनों को संदर्भित करता है।"

अमित सूद के अनुसार :- "यह शिक्षार्थियों की प्रतिकूल क्षमताओं का विकास करने में सहायक है।"

शिक्षा आर्थिक विकास और मानव विकास की नींव है। इस लिए शिक्षा प्रणालियों को प्रभावित करने वाले संघर्ष और आपदाओं के जोखिम को रोकने या कम करने के प्रयासों को संस्थागत शैक्षिक समुत्थानशक्ति की नींव रखनी चाहिए। शैक्षिक समुत्थानशक्ति भी छात्रों के लिए बेहतर परिणामों की ओर ले जाती है क्योंकि यह छात्रों के विश्वास से संबंधित है कि उनके

पास अपने पर्यावरण को प्रभावित करने की क्षमता है।शैक्षिक समुत्थानशक्ति प्रबल होने पर शिक्षार्थियों की प्रसन्नता अधिक हो जाती है।शिक्षार्थी अपने जीवन में हमेशा प्रसन्नचित रहते हुए आस-पास के वातावरण को भी खुशहाल बना देते हैं।

प्रसन्नता एक ऐसा शब्द है जिसे सुनते ही मन में सकारात्मकता आनी शुरू हो जाती है।जब प्रसन्नता आती है तो जीवन में प्रत्येक कार्य में मन लगता है। जीवन में कोई भी कार्य सही तरीके से करना है तो प्रसन्नता के बिना हो ही नहीं सकता। प्रसन्नता एक मानसिक या भावनात्मक स्थिति है जिससे दूसरों के बीच सकारात्मक या सुखद भावनाओं के बीच समाधान से लेकर गहन आनंद के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। प्रसन्नता आंतरिक आनंद की एक स्थिति है। प्रसन्नता प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करती है और तनाव को कम करती है। साथ ही शिक्षार्थी के मन और उसकी दृष्टि को विस्तृत करती है और समस्याओं को हल करने की क्षमता में सुधार करती है।

जार्ज ब्रैड (1980)"प्रसन्नता आप जो भी करते हैं उसमें खुश रहने का चुनाव अपने निकटतम रिश्तों को मजबूत करने और शारीरिक, आर्थिक और भावनात्मक रूप से अपना ख्याल रखने से आती है।"

मरियम वेबस्टर (2023)"कल्याण और संतुष्टि की स्थिति प्रसन्नता है।"

प्रसन्नता न केवल सकारात्मक सांवेगिक स्थिति है वरन् व्यक्ति के व्यक्तित्व का अहम् गुण है। प्रसन्नता एक संतुष्टि की स्थिति है वर्तमान शिक्षार्थी के पास जो कुछ है उसमें संतुष्ट रहना ही प्रसन्नता है। प्रसन्नता एक परिवर्तनशील गुण है।प्रसन्नता की मात्रा पर व्यक्ति के व्यवहार व वातावरण का प्रभाव पड़ता है। प्रसन्नता सामाजिक, राजनीतिक, व्यक्तिगत, शैक्षिक, आर्थिक, भौगोलिक स्थिति जैसे कारकों से प्रभावित है।

अध्ययन का औचित्य

आधुनिक तकनीकी संसार में शिक्षा मुख्य भूमिका को निभाती है। शिक्षा लोगों के मस्तिष्क को उच्च स्तर पर विकसित करने का कार्य करती है और समाज में लोगों के बीच सभी भेदभाव को हटाने में मदद करती हैं। यह हमें अच्छा अध्ययनकर्ता बनने में मदद करती है और जीवन के हर पहलू को समझने के लिए सूझ-बूझ को विकसित करती है। यह सभी मानव अधिकारों, सामाजिक अधिकारों, देश के प्रति कर्तव्यों और दायित्वों को समझने में हमारी सहायता करती है।

शिक्षार्थी के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करने के लिए विद्यालय में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। जिससे उसके मन से डर, भय, तनाव, हीन विचारों को दूर किया जा सके। इसके लिए शैक्षणिक तथा अशैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करके उसमें सुधार किया जा सकता है। शैक्षिक समुत्थानशक्ति शिक्षार्थियों की आंतरिक और बाहरी सुरक्षात्मक कारकों द्वारा विद्यालय से जुड़ी शैक्षणिक असफलताओं, तनाव और अध्ययन के दबाव को दूर करने की क्षमता है। जिससे शिक्षार्थियों की प्रसन्नता में वृद्धि होती है और शिक्षार्थी की योग्यताओं का विकास होता है। वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

गार्सिया-क्रेस्पो फ्रांसिस्को जे, फर्नांडीज अलोंसो रूबेन एवं मुनिज़ जोस (2021) “एकेडमिक रेजीलेंस इन यूरोपीयन कंट्रीस द रोल ऑफ टीचर्स फॅमिलीस एंड स्टूडेंट प्रोफाइल" अध्ययन में शिक्षार्थियों, परिवारों एवं शिक्षकों की गतिविधियों की उन विशेषताओं की पहचान करने का लक्ष्य रखा गया है जिनका शैक्षिक समुत्थानशक्ति पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ा। यूरोपीय संघ के सदस्य राज्यों के 4,324 विद्यालयों के 1,17,539 चौथी कक्षा के शिक्षार्थी और 6,222 शिक्षकों पर अध्ययन किया। इसके अंतर्गत दो चरणों में दो-स्तरीय पदानुक्रमिक रैखिक मॉडल निर्दिष्ट किया। शिक्षार्थी की व्यक्तिगत और पारिवारिक पृष्ठभूमि चर एवं शिक्षण गतिविधि से संबंधित चर उपयोग किया। निष्कर्षत पाया गया कि जिन शिक्षार्थियों की व्यक्तिगत और पारिवारिक पृष्ठभूमि अच्छी है उनमें समुत्थानशक्ति का 62% और130% अंक के बीच पाया गया। जिससे शिक्षार्थी में अध्ययन के प्रति अत्यधिक आत्मविश्वास पाया गया। विद्यालय की शिक्षण गतिविधियों से शिक्षार्थी की समझ और प्रतिबिंब पर ध्यान केंद्रित करने का समुत्थानशक्ति का प्रतिशत 62% अंक तक बढ़ गया।

यांग, शेंगली एवं वीरोंग वांग (2022) "द रोल ऑफ एकेडमिक रेजीलेंस, मोटिवेशनल इनटैनसिटी एंड दियर रिलेशनशिप इन ई एफ एल लर्नर्स एकेडमिक अचीवमेंट" के अध्ययन में पाया कि कुछ सामाजिक प्रभावी कारक (जैसे सहकर्मी संबंध, माता-पिता की उच्च अपेक्षाएँ, शिक्षकों का ध्यान और दया आदि) सामाजिक-आर्थिक कारक (जैसे माता-पिता की शिक्षा, आर्थिक और सामाजिक वर्ग स्तर पर वित्तीय योगदान आदि) और भावात्मक कारक (जैसे चिंता, आत्म-प्रभावकारिता, प्रेरणा आदि) शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और नीति निर्माताओं के निर्णय को समझने के लिए एक उपयुक्त संदर्भ प्रदान करने को प्रभावित कर सकते हैं। अकादमिक प्रेरक और शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंधों पर मौजूदा साहित्य को विकसित करने के लिए आगे के शोध के लिए सुझाव दिए गए।

बिलिम वे इंजिंटिम एवं टेलीफ़ो बकी बुलेंट(2020)" द रिलेशन बिट्वीन हैप्पीनेस स्कूल सेटिस्फैक्शन एंड पॉजिटिव एक्सपीरियंस एट स्कूल इन सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स" के अध्ययन में पाया कि स्कूल की संतुष्टि, दृढ़ता और आशावाद माध्यमिक विद्यालय के शिक्षार्थियों की प्रसन्नता के महत्वपूर्ण कारक है।

बेरी, निमिशा(2021)"ओरिंटेशन टू हैप्पीनेस एमंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स ऑफ़ हिली एरियास" नामक शोध उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षार्थियों में प्रसन्नता के लिए विभिन्न प्रकार के अभिविन्यास के स्तर का पता लगाने, लिंग और स्कूल के प्रकार के आधार पर अंतर खोजने के उद्देश्य किया गया। शोध निष्कर्ष में पाया गया कि महिला उच्च माध्यमिक विद्यालय और निजी उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षार्थियों ने समकक्ष शिक्षार्थियों की तुलना में प्रसन्नता के लिए उच्च अभिविन्यास की सूचना दी।

समस्या कथन उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत शिक्षार्थियों की प्रसन्नता का उनके शैक्षिक समुत्थानशक्ति के संदर्भ में अध्ययन करना।

शोध के उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की शैक्षिक समुत्थानशक्ति का अध्ययन करना।

2.उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की प्रसन्नता का अध्ययन करना।

3.उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की प्रसन्नता का उनके शैक्षिक समुत्थानशक्ति के संदर्भ में अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएं

*उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की शैक्षिक समुत्थानशक्ति के स्तर में भिन्नता पायी जाती है।

*उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की प्रसन्नता के स्तर में भिन्नता पायी जाती है।

*उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की प्रसन्नता में उनके उच्च एवं निम्न शैक्षिक समुत्थानशक्ति के संदर्भ में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

अध्ययन में प्रयुक्त तकनीकी शब्द

उच्च माध्यमिक स्तर:- उच्च माध्यमिक स्तर से तात्पर्य कक्षा 11 व 12 के विभिन्न संकाय के शिक्षार्थियों से है।

शैक्षिक समुत्थानशक्ति:- मार्टिन एवं मार्श के अनुसार शैक्षिक समुत्थानशक्ति शिक्षार्थी की वहीं योग्यता है जिसमें वह विपरीत परिस्थितियों (सामाजिक, शैक्षणिक, तनाव, दबाव एवं कठिनाइयों) के बावजूद शैक्षिक रूप से सफल होने की क्षमता रखता है। मार्टिन एवं मार्श के अनुसार शैक्षिक समुत्थानशक्ति में मुख्यतः चार घटक शामिल है- आत्मविश्वास, नियंत्रण की भावना, संयम और प्रतिबद्धता। प्रस्तुत शोध अध्ययन में शैक्षिक समुत्थानशक्ति से तात्पर्य मिहिर आर. मलिक एवं सिमरनजीत कौर द्वारा निर्मित एकेडमिक रेजीलेंस स्केल (2015) में उल्लेखित आयामों शैक्षणिक आत्मविश्वास,भलाई की भावना, अभिप्रेरणा, लक्ष्य प्राप्ति की योग्यता, साथी समूह के साथ संबंध, संवेगात्मक प्रबंधन एवं शारीरिक स्वास्थ्य है।

प्रसन्नता:-बूमगार्डनर(2012) प्रसन्नता सामान्य संवेग है जिसकी अनुभूति हमें आनंद एवं संतुष्टि के रूप में होती है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रसन्नता से तात्पर्य शिक्षार्थियों आनंद व संतोष की भावना से है और यह भावना व्यक्तिनिष्ठ आनंद एवं संतोष, सामाजिक आनंद एवं संतोष, व्यावसायिक आनंद एवं संतोष, संवेगात्मक आनंद व संतोष और आध्यात्मिक आनंद व संतोष की भावना से हैं।

प्रसन्नता एक भावनात्मक अभिव्यक्ति है। जो आनंद, संतुष्टि, संतोष और रुचियों की भावनाओं से होती है। इसे हमेशा सकारात्मक भावना और जीवन संतुष्टि के द्वारा प्राप्त किया जाता है।

शोध विधि:-समस्या की प्रकृति के आधार पर शोध हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त उपकरण

शैक्षिक समुत्थानशक्ति:-प्रस्तुत शोध अध्ययन में शैक्षिक समुत्थानशक्ति मापने हेतु Academic Resilience Scale by Mihir R.Mallik and Simranjeet Kaur का प्रयोग किया गया है।

प्रसन्नता:-उच्च माध्यमिक स्तर कक्षा 12 में अध्ययनरत् शिक्षार्थियों में प्रसन्नता ज्ञात करने के लिए शोधकर्त्री द्वारा निर्मित प्रसन्नता मापनी का प्रयोग किया गया। प्रसन्नता मापनी में प्रसन्नता के पांच पक्ष व्यक्तिनिष्ठ आनंद एवं संतोष, सामाजिक आनंद एवं संतोष, संवेगात्मक आनंद एवं संतोष, आध्यात्मिक आनंद एवं संतोष और व्यावसायिक आनंद एवं संतोष से संबंधित 72 प्रश्न पद निर्मित किए गए।

प्रदत्तों के स्रोत

राजस्थान राज्य के जयपुर शहर के उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् शिक्षार्थी प्रदत्तों के स्रोत के रूप में लिए गए हैं।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध अध्ययन में जयपुर शहर के राजस्थान राज्य शिक्षा बोर्ड से संचालित उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 12 में अध्ययनरत् शिक्षार्थियों को जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

न्यादर्श एवं न्यादर्शन

प्रस्तुत शोध में राजस्थान राज्य शिक्षा बोर्ड से संचालित जयपुर शहर के राजकीय व निजी विद्यालयों का चयन सोद्देश्यपूर्ण न्यादर्शन विधि द्वारा किया गया है। प्रत्येक विद्यालय से संकायवार (कला, विज्ञान, वाणिज्य) 10-10 शिक्षार्थी लिए गए हैं। इस प्रकार चयनित 20विद्यालयों से 600 शिक्षार्थी यादृच्छिक रूप से चयनित किए गए हैं।

प्रदतों की प्रकृति

प्रस्तुत शोध में अध्ययन में प्राप्त प्रदत्तों की प्रकृति मात्रात्मक हैं।

विश्लेषण विधि

मुख्य परिकल्पना...उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की प्रसन्नता में उनके उच्च एवं निम्न शैक्षिक समुत्थानशक्ति के संदर्भ में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।इस परिकल्पना के संदर्भ प्राप्त आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या इस प्रकार है—-

तालिका

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत शिक्षार्थियों का प्रसन्नता में उनके उच्च एवं निम्न शैक्षिक समुत्थानशक्ति के संदर्भ में अंतर

शैक्षिक समुत्थान शक्ति स्तर	शिक्षार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मान	परिकल्पना सत्यापन स्तर
उच्च	55	170.61	15.08	3.72	0.05 सार्थकता स्तर पर अस्वीकृत
निम्न	25	158.59	12.58		

सार्थकता स्तर 0.05 पर की मान =1.97

स्वतंत्रता अंश=78

ग्राफ

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत शिक्षार्थियों की प्रसन्नता में उनके उच्च एवं निम्न शैक्षिक समुत्थानशक्ति के संदर्भ में मध्यमान एवं मानक विचलन

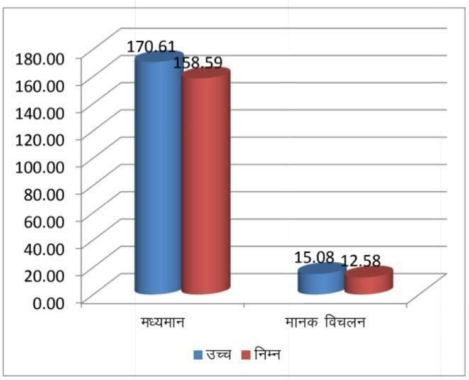

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत शिक्षार्थियों की प्रसन्नता में उनके उच्च एवं निम्न शैक्षिक समुत्थानशक्ति के संदर्भ में अंतर को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शित प्रदत्तों से यह स्पष्ट है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् उच्च व निम्न शैक्षिक समुत्थानशक्ति वाले शिक्षार्थियों की प्रसन्नता का मध्यमान क्रमशः 170.61 व 158.59 तथा मानक विचलन 15.08 व 12.58 है। परिकलन द्वारा प्राप्त टी का मान 3.72 स्वतंत्रता के अंश 78 पर 0.05 सार्थकता स्तर के लिए निर्धारित मान 1.97 से अपेक्षाकृत अधिक है। अतः परिकल्पना (5) उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की प्रसन्नता में उनके उच्च एवं निम्न शैक्षिक समुत्थानशक्ति के सदर्भ में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है अतः परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

क्रम संख्या	परिकल्पना	सार्थकता स्तर	परिकल्पना परिणाम
1.	उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की शैक्षिक समुत्थानशक्ति के स्तर में भिन्नता पायी जाती है।	-	स्वीकृत
2.	उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की प्रसन्नता के स्तर में भिन्नता पायी जाती है।	-	स्वीकृत
3.	उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की प्रसन्नता में उनके उच्च एवं निम्न शैक्षिक समुत्थानशक्ति के संदर्भ में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।	0.05	अस्वीकृत

निष्कर्ष

- उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की शैक्षिक समुत्थानशक्ति के स्तर में भिन्नता पायी गयी।
- उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की प्रसन्नता के स्तर में भिन्नता पायी गयी
- उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् शिक्षार्थियों की प्रसन्नता में उनके उच्च एवं निम्न शैक्षिक समुत्थानशक्ति के संदर्भ में सार्थक अंतर पाया गया।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य शिक्षार्थियों में शैक्षिक समुत्थानशक्ति एवं प्रसन्नता को विकसित करना है अनुसंधान कार्य के परिणाम भावी नीति निर्धारण की आधार शिला बनते है। जिससे शिक्षा के क्षेत्र में अथवा समाज और राष्ट्र के लिए ऐसा योगदान प्रस्तुत करता हो जो कि दूरगामी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षार्थियों की शैक्षिक समुत्थानशक्ति एवं प्रसन्नता के प्रभाव को जानने की दृष्टि से एक सर्वेक्षण के रूप में किया गया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के द्वारा शिक्षार्थियों में आत्मविश्वास, आत्म-सम्मान एवं विषम परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति का विकास कर सकते हैं। प्रस्तुत शोध अध्ययन शिक्षक के लिए भी उपादेयता रखता है। शिक्षक शिक्षार्थियों की निम्न शैक्षिक समुत्थानशक्ति के कारणों को जानकर उसमें सुधार कर सकेंगे। प्रस्तुत शोध अभिभावकों के लिए भी उपादेयता रखता है। अभिभावक शिक्षार्थी में उच्च शैक्षिक समुत्थानशक्ति के विकास के लिए प्रयास करेंगे। शैक्षिक समुत्थानशक्ति के उच्च एवं निम्न प्रभाव से शिक्षार्थियों की प्रसन्नता में भी उतार -चढ़ाव आते रहते हैं।अतः यह अध्ययन उच्च माध्यमिक स्तर के साथ-साथ प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के शिक्षार्थियों की शैक्षिक समुत्थानशक्ति एवं प्रसन्नता के विकास में भी सहायक सिद्ध हो सकेगा।

शोध का परिसीमन

यह अध्ययन केवल राजस्थान राज्य के जयपुर जिले के विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 12 के शिक्षार्थियों तक ही सीमित है।

यह अध्ययन राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों तक सीमित है।

इस अध्ययन में संकाय के अंतर्गत कक्षा 12 में अध्ययनरत् कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के शिक्षार्थियों को ही लिया गया।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- **बेस्ट,जे.डब्ल्यू.(1963).** रिसर्च इन एजुकेशन, प्रैक्टिस हॉल ऑफिस इंडिया, नई दिल्ली ।
- **पाठक, पी.डी. (1987).** भारतीय शिक्षा व उसकी समस्याएं. विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- **कपिल,एच. के .(1994**). शैक्षिक अनुसंधान विधियाॅ. भार्गव पुस्तक प्रकाशन, आगरा
- **वर्मा,जी. एस.(1996).** आधुनिक भारतीय समाज व समस्याएं. लायल बुक डिपो,मेरठ।
- **बिलिम,वे.इ.एवं टेलीफ़ो,बी.बी.(2020).** द रिलेशन बिट्वीन हैप्पीनेस स्कूल सेटिस्फैक्शन एंड पॉजिटिव एक्सपीरियंस एट स्कूल इन सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स, एज्यूकेशन एंड साइंस,46(205),359-371 doi/10.15390/EB.2020.5587
- **बेरी,एन.(2021).** ओरिंटेशन टू हैप्पीनेस एमंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स ऑफ़ हिली एरियास, तुर्किश जर्नल ऑफ कम्प्यूटर एण्ड मैथमेटिक्स एज्यूकेशन, 12(11),27-33 ।
- **गार्सिया -क्रेस्पों,एफ. जे. एवं फर्नांडीज,ए. आर. एवं मुनिज,जे.(2021).** एकेडमिक रेजीलेंस इन यूरोपीयन कंट्रीस: द रोल ऑफ़ टीचर्स. फैमिलीस एंड स्टूडेंट्स प्रोफाइल,PLOS ONE, 16(7)

  doi/10.1371/Journal.Pone.0253409
- **यांग,शे.एंड वीरोंग,वी.(2022).**द रोल ऑफ एकेडमिक रेजीलेंस मोटिवेशनल इनटैनसिटी एंड दीअर रिलेशनशिप इन इ एफ एल लर्नर्स एकेडमिक अचीवमेंट.फ्रांटिर्यस इन साइकोलॉजी,12,